

मोड़ा पुं. (देश.) लड़का।

मोड़ी स्त्री. (देश.) 1. शीघ्रतावश लिखी हुई ऐसी अस्पष्ट लिपि जो कठिनता से पढ़ी जाय, घसीट लिखाई 2. दक्षिण भारत की एक प्रसिद्ध लिपि।

मोढ़ा पुं. (देश.) सरकंडा बेल आदि से बना हुआ बैठने का गोलाकार और ऊंचा आसन।

मोण पुं. (तत्.) 1. सूखा फल 2. कुंभीर या मगर नामक जलजीव 3. मक्खी 4. झाबा, टोकरा।

मोतदिल वि. (अर.) 1. जिसमें गर्मी- सर्दी समान हो, समशीतोष्ण 2. जिसमें कोई बात आवश्यकता से कम या अधिक न हो, संतुलित, दरमियानी, मध्यम।

मोतबर वि. (अर.) मातबर, जिसका विश्वास हो, विश्वस्त।

मोतिमिद वि. (अर.) जो विश्वसनीय हो।

मोतियदाम पुं. (तद्.) छन्द. एक वर्णवृत्त जिसके प्रत्येक चरण में चार जगण होते हैं।

मोतिया वि. (देश.) 1. मोती से संबंधित 2. मोती के रंग का 3. मोती के जैसा छोटे, गोल, दानों वाला। पुं. 1. मोती की तरह का नाममात्र पीली झलक वाला सफेद रंग 2. श्वेत तथा सुगंधित फूलों वाला पौधा, बेला 3. एक प्रकार का सलमा जो छोटे गोल दानों के रूप में होता है स्त्री. 4. सफेद रंग की एक चिड़िया।

मोतियाबिंद पुं. (देश.) 1. आँख का एक रोग जिसमें ऊपरी परदे में अंदर की ओर मैल जम जाने से उसमें गोल झिल्ली सी पड़ जाती है, जिससे देखने की शक्ति धीरे धीरे कम हो जाती है 2. आँखों में पानी उतरने का रोग जो बुढ़ापे में होता है।

मोती पुं. (तद्.) 1. समुद्र की सीपी में से निकलने वाला बहुमूल्य रत्न, मुक्ता 2. कसेरों का एक औजार मुहा. मोती पिरोना- बहुत ही सुंदर व स्पष्ट अक्षर लिखना; बहुत ही सुंदर व प्रिय वाणी बोलना; मोती ढलकना- आँसू गिरना।

मोतीचूर पुं. (देश.) 1. बेसन की पकी छोटी बूंदियों को शीरे में पागकर बनाये गए लड्डू 2. अगहन मास में होने वाला एक तरह का धान 3. कुश्ती का एक दाँव।

मोतीज्वर पुं. (तत्.) 1. चेचक निकलने से पूर्व होने वाला ज्वर 2. वह ज्वर जिसमें शरीर में छोटे छोटे दाने हो जाते हैं।

मोतीझिरा पुं. (देश.) मोती झिरा।

मोतीझिरा पुं. (देश.) 1. छोटे दानों की चेचक 2. छोटी शीतला माता या मोतिया 3. मंथर ज्वर।

मोतीबेल स्त्री. (देश.) मोतिया पौधे का एक भेद जो लता के रूप में होता है, मोतिया बेल।

मोती-भात पुं. (देश.) एक विशेष प्रकार का मीठा भात।

मोती-महावर पुं. (देश.) चित्रकला में किसी सुंदर नारी का चित्र बनाकर उसके हाथों व पैरों पर महावर जैसा लाल रंग लगाने तथा उसके अंगों में अलंकारों के चित्रित करने की क्रिया।

मोती-माता स्त्री. (देश.) मोतीझिरा नामक एक रोग जिसमें तीव्र ज्वर आने के बाद छाती और पेट में छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं।

मोती-लड्डू पुं. (देश.) मीठी बूंदियों को बाँधकर बनाया गया लड्डू दे. मोतीचूर।

मोती-सिरी स्त्री. (देश.) मोतियों से बनाई गई कंठी या माला।

मोतीहर पुं. (देश.) मुक्ताफल।

मोथरा वि. (देश.) जिसकी धार कुंठित हो गई हो, भोथरा।

मोथा पुं. (तद्.) 1. जलीय भूमि में उत्पन्न होने वाला एक क्षुप जिसकी जड़ कसेरन की तरह होती है 2. काले रंग का तृणजाति का कंद 3. उक्त क्षुप की जड़ जो औषध के काम में प्रयुक्त होती है।